चीफ फंक्शनरी संदेश

न तु अहम् कामये राज्यम्, न स्वर्गम् न पुनर्भभवम्
कामये दुःख ताप्तानाम् प्राणिनाम् आर्तिनाशनम

आभार

प्रिय जन,

सृश्टि जन कल्याण समिति द्वारा वर्श 2018–19 में सरकारों, विभागों, विभिन्न संगठनों व सामान्य जन के सहयोग से संचालित विभिन्न समाज हित के कार्यों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्श हो रहा है। इस क्रम में यह उल्लेखनीय है कि वर्तमान समय में पहले की अपेक्षा जहां एक ओर समाज कार्य निश्पादन का क्षेत्र बहुआयामी व तकनीकि से ओत प्रोत हो गया है वहीं दूसरी ओर जन समुदाय की जरूरतें व अपेक्षाओं में भारी बदलाव आया है। ऐसे में स्वयं सेवी संगठनों के लिए जरूरी है कि उनका नजरिया समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप हो तथा उनके स्वयं सेवकों की कार्य दक्षता व ज्ञान, लक्षित उद्देष्यों की पूर्ति में सहायक हो।

समुदाय स्तर पर आजीविका व आय संवर्धन, प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन व विदोहन, सामुदायिक संगठनों के माध्यम से महिलाओं का सबलीकरण, स्वास्थ्य व आजीविका के नये स्रोतों की खोज, ग्राम स्तरीय संस्थाओं/संगठनों को तकनीकि सहयोग व मार्गदर्षन, स्थानीय कृशि उपज, कृशि आधारित अन्य उत्पादों तथा गैर काश्ट वनोपज का विक्रय, बालकों व छात्र–छात्राओं का बौद्धिक विकास, जैव विविधता संरक्षण में सृश्टि एक स्वयं सेवी संथा के तौर पर सफल रही है, जिसका श्रेय संस्थान के कार्यकर्ताओं की कर्मठता, कार्यदक्षता व बहुआयामी ज्ञान को जाता है। निष्चित रूप से सृश्टि अपने स्वयं सेवकों के सहयोग से दिनों दिन बदल रही जरूरतों, कार्यनिश्पादन तरीकों व समुदाय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रही है और रहेगी।

वित्त वर्श 2018–19 के दौरानं संस्था द्वारा मुख्य रूप से दो परियोजनाओं उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना तथा स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के तहत ठोस एवं तरल अपषिश्ट प्रबंधन कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। इसके अलावा संस्था द्वारा बाल लेखन कार्यषाला, निःषुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण, महिला सःषक्तिकरण के तहत महिलाओं को ब्यूटीषियन, टेलरिंग, ऐपण आदि का प्रषिक्षण दिया गया। सृश्टि ने जहां एक ओर समुदाय स्तर पर 70 स्वयं सहायता समूहों का निर्माण किया वहीं ग्रामीण उपज के विपणन व ग्रामीणों की आजीविका व आय संवर्धन के लिए तीन स्वायत्त सहकारिताओं का गठन किया। ग्राम स्तर पर समूह सदस्यों के साथ ही वन पंचायत आदि के प्रतिनिधियों को लेखा, वित्त व गतिविधि संचालन का प्रषिक्षण दिया गया।

अन्त में मैं, सृश्टि के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, स्वयं सेवकों (कर्मचारियों) दान दाताओं, विशय विषेशज्ञों, विभिन्न संगठनों, संस्थाओं, सरकारी विभागों, लाभार्थियों का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग से सामाजिक उत्थान की यह प्रगति सम्भव हो पायी और हम समुदाय को नयीं दिषा देने में सफल रहे।

जीवन एस दानू इरेष
चीफ फंक्षनरी

SRISHTI NGO

सृष्टि एक परिचय

o”kZ 2001&02 esa Þन तु अहम् कामये राज्यम, न स्वर्गम् न पुनर्भवम्, कामये दुःख ताप्तानाम् प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्,” के लक्ष्य तथा **“Helping people to help themselves”** ds lkjHkwr rRo को ले कर पत्रकारिता, विधि, व्यापार, अध्यापन व समाज सेवा के कार्य में लगे समान विचारधारा के लोगों द्वारा सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 धारा–21 के तहत धर्म, राजनीति, पंथ, सम्प्रदाय लाभ से परे हट कर सामाजिक संस्था **सृष्टि जन कल्याण समिति** का गठन किया गया। विगत 17 वर्ष से संस्था निम्न दर्शन, लक्ष्य व उद्देश्य को ले कर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत है।

1– **दर्शन Vision**: lR; ,oa vfgalk ds jkLrs ij pyrs gq, tkfr] /keZ o fyax foHksn ls ijs oS;fDrd lEeku ls ifjiw.kZ ‘kks”k.k eqDr lekt dh LFkkiuk djukA Establish a non-exploitive self-reliant social order devoid of inequalities based on cast, creed, religion or sex and characterized by dignity of the individuals with the primacy of truth and nonviolence for its perpetuation.

2– **लक्ष्य Mission**: lekt ds vafre ik;nku ij [kMs+ O;fDr dk l%’kfDrdj.kA Empowerment of the lowest rungs of the society.

3–**उद्देश्य Objective**: yksxksa dks [kqn ds fodkl ds fy, tokcnsg cukuk rFkk bl y{; dh izkfIr ds fy, fodklkRed orkoj.k rS;kj dj tu&tu dks fodkl dk laokgd cukukA To bring people to the development front and help them take responsibility for their own development-creating environment for support and strengthen their potentiality as agents of the change in the society.

Go to the people
Live among them
Learn from them
Love them
Start with what they know
Build on what they know
But of the best leaders
When their task is accomplished
Their work is done
The people all remark
We have done it ourselves
Chinese proverb

सृश्टि का लक्ष्य अपनी सामाजिक गतिविधि यात्रा में समाज के नीचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति रहा है। इसी लिए लक्ष्य में षामिल दूरस्थ क्षेत्रों व पिछड़े वर्ग के लोगों के सर्वागीण विकास व उत्थान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। किसी भी कार्ययोजना में लाभार्थियों के चयन के समय निम्नांकित वर्गों को प्राथमिकता देने का प्राविधान किया गया है।

1–दुर्गम व अतिपिछड़े क्षेत्र के लोग।
2–बीपीएल व आर्थिक रूप से कमजोर लोग।
3–एससी, एसटी व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग।
4–महिलाएं।
5–विकलांग व षाररिक रूप से कमजोर लोग।
6–खेतीहर किसान।

xfrfof/k {ks=

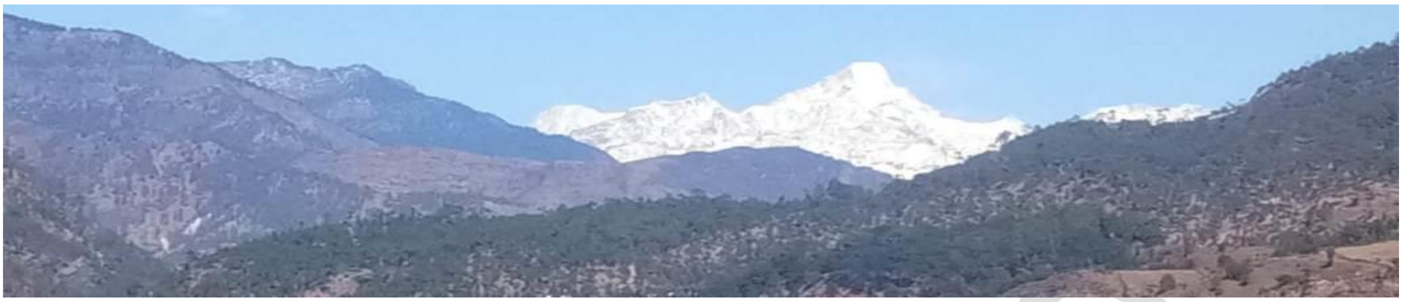

उत्तराखण्ड संक्षिप्त परिचय

भूगोल : उत्तराखण्ड राज्य 9 नवम्बर 2000 को उत्तर प्रदेष से अलग हो कर भारत गणतंत्र के 27 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। राज्य की अवस्थिति 28[व] 44श – 31[व] 28श छ लेटीट्यूट तथा 77[व] 35श – 81[व] 01श म्प लौंगीट्यूट के मध्य है। 53483 वर्ग किमी भू भाग में फैले राज्य को भौगोलिक दृश्टि से तीन भागों क्रमषः हिमालयी क्षेत्र, षिवालिक क्षेत्र व तराई क्षेत्र में विभाजित किया जा सकता है। राज्य का 38000 वर्ग किमी क्षेत्र वनों से आच्छादित है जो कुल क्षेत्रफल का 65 प्रतिषत है। राज्य के जंगल जैव विविधता से परिपूर्ण हैं। भागीरथी, अलकनन्दा, मंदाकिनी, पिण्डारी, टोंस, यमुना, काली, नयार, भिलंगना, सरयू, राम गंगा आदि नदियां राज्य की लाइफ लाइन हैं।

प्रषासनिक इकाइयांः उत्तराखण्ड प्रषासनिक दृश्टि से कुमाऊं एवं गढ़वाल 2 मंडलो, 13 जनपदों, 110 तहसीलों, 18 उप तहसीलों, 95 विकास खण्डों, 670 न्याय पंचायतों, 7950 ग्राम पंचायतों, 16675 आबाद ग्रामों, 8 नगर निगमों, 39 नगर पालिका परिशदों, 47 नगर पंचायतों व 9 छावनी परिशदों में विभक्त है। राज्य से 5 लोक सभा व 3 राज्य सभा सीटें हैं। राज्य की विधान सभा में 70 सीटें हैं।

डेमोग्राफीः उत्तराखण्ड की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 10086292 है, जिसमें 5137773 पुरुश व 4948519 महिलाएं षामिल हैं। राज्य में लिंगानुपात 963:1000, जनसंख्या घनत्व 189 प्रति वर्ग किमी तथा साक्षरता दर 78.8 है जिसमें पुरुशों की साक्षरता 87.4 व महिलाओं की साक्षरता 70 प्रतिषत है।

आर्थिक स्थितिः राज्य में प्रति व्यक्ति आय 173820 है। अधिकांष लोगों की आर्थिकी खेती व कृशि सह कार्यों पर निर्भर है। लोगों द्वारा गाय, भैंस, बकरी व भेड़ों का पालन मुख्यतया किया जाता है। राज्य में पषुधन की संख्या 2007 की गणना के अनुसार 50 लाख के लगभग है। कृशि आधारित अर्थ व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों एवं उनके पषुधन की वनों पर निर्भरता काफी अधिक है।

राज्य के ससाधनः राज्य के संसाधनों में वन सम्पदा, जल संसाधन, जड़ी–बूटी, तीर्थाटन, खनिज सम्पदा आदि षामिल हैं। यहां पाये जाने वाले प्रमुख खनिजों में चूना पत्थर मैग्नेसाइड, जिप्सम आदि हैं। फसलों में धान, गेहूं, जौ, मडुवा, झंगोरा, रामदाना, मक्का आदि षामिल हैं। फलों में सेब, नाषपाती, पुलम, लीची, आम, अमरूद, नारंगी माल्टा आदि मुख्य हैं।

राज्य वन संसाधनों के मामले में काफी सम्पन्न है, इसी लिए प्राचीन काल से ही राज्य के लोग आजीविका एवं अन्य संसाधनों के लिए जंगलों पर निर्भर रहते आये हैं, जिसमें पषु चारण भी षामिल है। वर्तमान जरूरतों के मुताबिक लोगों की आजीविका व आय के मानक बदले हैं। जिसकी पूर्ति परम्परागत खेती व पषुपालन से सम्भव नहीं है। जिसके लिए स्थानीय स्तर पर आय सृजक गतिविधियों का सृजन जरूरी है ताकि पलायन को रोका जा सके। पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, जल संरक्षण जैसे मुद्दे हैं जिसमें लोगों को लामबंद करने के साथ ही उन्हें प्रषिक्षित करना जरूरी है।

ृचतमंक वि ।बजपअपजपमे ।तमं व्चमतंजपवद

वर्तमान में सृश्टि बागेष्वर, नैनीताल व उधम सिंह नगर जनपदों के 5 विकास खण्डों के 108 गावों में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रही है। संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों से 2250 परिवार आच्छादित व 6750 परिवार प्रभावित हैं। गतिविधि क्षेत्र का व्यापक विवरण निम्नानुसार है।

क0	जनपद	विकास खण्ड	गांवों की संख्या	मुख्य गतिविधि
1	बागेष्वर	02	82	उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना
2	बागेष्वर	02	10	स्वच्छ भारत अभियान ग्रामीण (एसएलडब्ल्यूएम)
3	नैनीताल	02	12	महिला सःषक्तिकरण
4	यूएसनगर	01	06	कम्प्यूटर प्रषिक्षण

सृश्टि संकेन्द्रित क्षेत्र एवं परियोजनाएं

ृतपेीजपष् थ्वबने ।तमं ंदक च्तवरमबजे

वर्तमान में सृश्टि अपनी बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से समाज कार्य में लगी है। मुख्य रूप से संस्था के कार्यक्रम एवं परियोजनाएं 17 क्षेत्रों में संकेन्द्रित हैं।

क–सामुदायिक संगठनों का विकास (महिला सःषक्तिकरण के परिपेक्ष में)।
ख–प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण संरक्षण)।
ग–आजीविका एवं आय सृजन।
घ–सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधन।
ङ–परम्परागत ज्ञान अभिलेखीकरण।
च–पुस्तकों व स्मारिका आदि का प्रकाषन।
छ–पेयजल एवं स्वच्छता।
ज–मृदा एवं कृशि विकास।
झ–जड़ी–बूटियों का कृशिकरण।
ञ–सहकारिता विकास।
ट–तकनीक हस्तान्तरण (लैब टू लैण्ड)।
ठ–लोक कला को प्रोत्साहन।
ड–व्यावसायिक प्रषिक्षण एवं मार्ग दर्षन।
ढ–बाल एवं किषोर षैक्षिक प्रोत्साहन।
ण–महिलाओं के प्रति हिंसा का प्रतिरोध।
त– सृजक सम्मान।
थ–एसआरआरसी (सृश्टि रूरल रिसोर्स सेंटर)।

सृश्टि का दृश्टिकोण गतिविधि संचालन में समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचानाने का है। जिसमें लोगों की आजीविका, आय सृजन व उनके परिवेष को सजाना संवारना षामिल है। राज्य में पलायन को रोकना सबसे बड़ी चुनौती है। निष्चित रूप पलायन के मुख्य कारणों में षिक्षा, चिकित्सा, यातायात व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी रहा है किन्तु सबसे बड़ा कारण बदलते परिवेष में आजीविका व आय सृजन अवसरों व गतिविधियों की कमी का होना है।

इसके लिए सृश्टि विभिन्न संगठनों, विभागों व लोगों व लाभार्थियों के सहयोग से कार्यक्रमों का संचालन कर सीमित स्तर पर ही सही इस तस्वीर को बदलने का प्रयास कर रही है।

dk;Zdze@ifj;kstu

SRISHTINGO

अ–राजकीय परियोजनाएं: सृश्टि द्वारा वित्तीय वर्श के दौरान निम्न सरकारी कार्यक्रमों/परियोजनाओं के संचालन में सहयोग किया गया।

1–उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना (वित्त पोशित जायका): सृश्टि द्वारा बागेश्वर वन प्रभाग बागेश्वर के तीन रेंजों कपकोट/ग्लेषियर, धरमघर व बागेश्वर की 82 वन पंचायतों में उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना (वित्त पोशित जापान इंटरनेषनल कोआपरेषन एजेंसी) न्जजंतींदक थ्वतमेज त्मेवनतबम

laLFkk ds eq[; dk;Z
ihvkj,] ekbdzksIykfuax] csl ykbu losZ]
dE;wfuVh csLM vkxZukbts'ku QkesaZ'ku]
Vsªfuax] ekdsZV fyadst] fjlpZ]

डंदंहमउमदज च्तवरमबज निदकमक इल श्रंचंद प्दजमतदंजपवदंस ब्ववचतंजपवद ।हमदबल का बतौर सहयोगी संस्था कियान्वयन किया जा रहा है।**परियोजना का उद्देष्य:** यूएफआरएमपी कार्यालय आदेश कमांक परियोजना का समग्र लक्ष्य पारिस्थितिकी की पुनर्स्थापना और संसाधनों का विकास, वनों पर निर्भर लोगों की आजीविका में सुधार एवं आय सृजन के साथ ही अत्यन्त संवेदनषील क्षेत्रों में भविश्य में आपदा के जोखिमों को कम करना है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए परियोजना के तहत निम्न उपाय किये जा रहे हैं।

1–टिकाऊ आजीविका साधन विकास के माध्यम से वनों के निकटस्थ निवास करने वाले समुदायों खास कर महिलाओं का स:षक्तिकरण तथा ग्रामीणों की पर्यावरण संरक्षण में सकारात्मक भागीदारी।

2–वन पंचायतों एवं जैव विविधता प्रबंधन सरीखी सामुदायिक संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।

3–आय सृजन सम्बंधी उपायों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार।

4–क्षेत्र विषेश के अनुरूप तकनीकी एवं वैज्ञानिक वानिकी उपायों का नियोजन एवं कार्यान्वयन, जिसमें मृदा एवं नमी संरक्षण, स्थल में उपलब्ध रूट स्टाक की अन्तर्निहित सम्भावना का उपयोग कर उपयुक्त वन वर्धन कार्यों से अवनत वनों का घनत्व बढ़ाना, उपयुक्त प्रजाति पौधों का रोपण तथा रिक्त स्थानों में ब्लाक रोपण षामिल है।

5–टिकाऊ रोजगार के सृजन एवं उद्यमों के विकास हेतु वनों की उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रकोश्ठ एवं लघु वन उपज जैसे औशधीय एवं सगंध पादप, लीसा, षहद, प्राकृतिक रेषा, प्राकृतिक रंगों आदि के मूल्य सम्वर्धन एवं विपणन को प्रोत्साहित करना। इसके साथ ही बे मौसमी सब्जियों, दुग्ध उत्पाद, ईको टूरिज्म, हस्तषिल्प आदि को बढ़ावा देने का कार्य।

1.	कुल रेंज	03	ग्लेषियर/कपकोट, बागेष्वर, धरमघर।
2.	कुल वन पंचयातें	82	ग्लेषियर/कपकोट 25, बागेष्वर 33 व धरमघर 25 वन पंचायतें।
3.	कुल समूह	162	प्रति वन पंचायत दो समूह।
4.	कुल फेडरेषन	03	सरमूल जायका, बाबा बागनाथ जायका व धौलीनाग जायका एसआरसी

6–विभिन्न विभागों के मध्य अभिसरण।

dk;Zdze@ifj;kstu

ब–स्वच्छ भारत मिषन

ठोस एवं तरल अपषिश्ट प्रबंधन (स्वजल)

स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के तहत राज्य खुले में षौच प्रथा से मुक्त होने की कगार पर है। इस लक्ष्य की पूर्ति के उपरान्त हमारा लक्ष्य ग्राम पंचायतों व आस पास के क्षेत्र को कूढ़ा विहीन या स्वच्छ रखना है। जिसमें घर से निकलने वाला ठोस एवं तरल अपषिश्ट का प्रबंधन षामिल है। सृश्टि द्वारा स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के तहत स्वजल द्वारा जनपद बागेष्वर में संचालित ठोस एवं तरल अपषिश्ट प्रबंधन कार्यक्रम में बतौर सहयोगी संस्था प्रतिभाग किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अपषिश्ट प्रबंधन के उद्देष्यः स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों को जैविक व अजैविक कूड़े से मुक्त रखना मुख्य उद्देष्य है। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां घरों से निकलने वाला जैविक व अजैविक कूड़ा यत्र–तत्र विर्सजित किया जाता है वहीं तरल अपषिश्ट को भी रास्तों व खेतों में बिना उपचारित किये छोड़ दिया जाता है, जिससे संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा बना रहता है। परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में अपषिश्ट प्रबंधन के निम्न उद्देष्य निर्धारित किये गये हैं।

1– जन समुदाय की स्वास्थ्य की सुरक्षा।
2–पुनः चक्रीकरण के द्वारा ठोस अपषिश्ट को दो बारा प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहन।
3–गावों को साफ सुथरा रख कर पर्यावरण को प्रदूशण मुक्त करना। 4–स्थानीय स्तर पर रिसाइकिलिंग प्लांट लगा कर अथवा स्थानीय बाजार में बिक्री कर रोजगार सृजन करना तथा उद्देष्य की पूर्ति के लिए स्थानीय लोगों को प्रोत्सासित करना। 5–जैविक कचरे से कम्पोस्ट खाद का निर्माण कर कृशि उत्पाद में वृद्धि। 6–किचन व बाथरूम के पानी का उपचार कर उसे बाग बगीचे व कृशि कार्य में सदुपयोग।

प्रबंधन की रणनीतिः परियोजना के तहत ठोस एवं तरल अपषिश्ट प्रबंधन के लिए निम्न रणनीति अपनायी जा रही है।

1– समुदाय में जागरूकता।
2–अपषिश्ट प्रबंधन तकनीकों की सभी को उपलब्धता।
3–सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा। कार्यक्रम की सफलता जन सहभागिता पर ही निर्भर है।
4–अन्य विभागों व एजेंसियों के साथ परियोजाना सम्बंधी गतिविधियों व अन्य कार्यों के लिए अभिसरण ।

Lk`f"V ds dk;Zdze

[; dk;Z
e Lrjh; losZA
2- Mhihvkj fuekZ.kA
3- ewY;kaduA
4- xzke LoPNrk lfefr xBuA

ब–सृश्टि द्वारा संचालित

कार्यक्रमः सृश्टि विगत 17 वर्श से जन सहयोग से समाजोत्थान के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते आ रही है। वर्श 2018–19 में संचालित कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है।

1–बाल लेखन कार्यषाला: बच्चों में साहित्यिक रूचि विकसित करने के साथ ही उन्हें लेखन की विभिन्न विधाओं में पारंगत करने के उद्देष्य से बन खोला बागेष्वर में बाल लेखन कार्यषाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को कहानी, कविता, निबंध, यात्रा वृतांत, लेख आदि लिखने की विधा पर प्रषिक्षण दिया गया। कार्यषाला में बेहतरीन प्रदर्षन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

2– नि:षुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण: सृश्टि द्वारा षांतिपुरी, उधम सिंह नगर में युवक युवतियों को कम्प्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान देने के लिए विगत चार वर्श से नि:षुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। वर्श 2018–19 में संस्था द्वारा 120 युवक युवतियों को छ:–छ: माह का प्रषिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को प्रतिभाग प्रमाण पत्र भी निर्गत किये गये।

3–महिला स:षक्तिकरण: राश्ट्र पिता महात्मा गांधी के दर्षन से प्रेरणा ले कर सृश्टि अपने स्थापना काल से ही महिला स:षक्तिकरण की हिमायती रही है।ैतपीजप इमसपमअम तेंजतं च्पजं डींजउं ळंदकीपष् जंसपेउंद जव मउचवूमत जव जीम ूवउमदण /बबवतकपदह ळंदकीप रप श्ष्ूपसस हपअम लवन ं जंसपेउंदण् ँमदमअमत लवन तम पद कवनइजए वत ूमद जीम `मसा इमबवउमे जवव उनबी ूपजी लवनए ंचचसल जीम विससवूपदह जमेजण त्मबंसस जीम बिम वा जीम चववतमेज ंदक जीम ूमंामेज उंद ूवउंदद्ध ूिवउ लवन उंल ींअम `ममदए ंदक ेंा लवनतेमसएि पा जीम `जमच लवन बवदजमउचसंजम पे हवपदह जव इम वा ंदल नेम वा ीपउ ;ीमतद्धण ँपसस ीम ;ीमद्ध हंपद ंदलजीपदह इल पजध् ँपसस पज तमेजवतम ीपउ ;ीमतद्ध जव बवदजतवस वअमत ीपे ;ीमतद्ध वूद सपमि ंदक कमेजपदलध् प्द वजीमत ूवतकेए ूपसस पज समंक जव ेूंतं ;तिममकवउद्ध वित जीम ीनदहतल ंदक `चपतपजनंससल `जंतअपदह उपससपवदेध् जीमद लवन ूपसस पिदक लवनत कवनइजे ंदक लवनतेमसा उमसज ूंलश्ण इसी उद्देष्य को ले कर संस्था अब तक सैकड़ों महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विभिन्न व्यावसायिक प्रषिक्षण दे चुकी है। वर्श 2018–19 में संस्था द्वारा भवाली व बिन्दुखत्ता जनपद नैनीताल में महिलाओं को टेलरिंग, बैग मेकिंग, ब्यूटिषियन, ऐपण कला का प्रषिक्षण दिया जा चुका है।

4– कार्यषालाएं/ संगोश्ठियां: युवाओं व युवतियों को जागरूक करने व उन्हें समाज की ज्वलंत समस्याओं से जूझने को प्रेरित व तैयार करने के लिए सृश्टि द्वारा समय–समय पर कार्यषालाओं गोश्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है। वर्श 2018–19 में संस्था द्वारा सूचना अधिकार व उद्यमिता विकास पर कार्यषालाओं तथा घरेलू हिंसा

Lk`f"V ds dl

पर गोश्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

क्र0	स्थान	कार्यक्रम का	गोश्ठी/कार्यक्रम	प्रतिभागी	वर्ग

	विशय		
1	भवाली	ऐपण, टेलरिंग, ब्यूटिषियन	ट्रेनि
2	षान्तिपुरी	उद्यमिता विकास	काय
3	रुद्रपुर	घरेलू हिंसा	बैठ
4	खटीमा	सूचना अधिकार	काय

5–शैक्षिक भ्रमण तथा प्रषिक्षण: वर्श 2018–19 में उत्तराखण्ड मुक्त विष्व एवं इंदिरा गांधी मुक्त विष्व विद्यालय में अध्ययनरत स्नातक समाज कार्य व परा स्नातक समाज कार्य के छात्र–छात्राओं द्वारा संस्थागत व जमीनी स्तर पर समाज कार्यों के संचालन को सीखने व देखने के लिए एक–एक माह का अध्ययन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने समाज कार्य, कृशि, कृशि आधारित उद्यमिता, पषुपालन, स्वास्थ्य, महिला सःषक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका एवं आय संवर्धन आदि विशयों पर मौखिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रवास के दौरान छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट्स रिपोर्ट भी तैयार की गयी।

6–एलआईसी–एमआई कार्य: सृश्टि द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों को बीमा का लाभ पहुंचाने के साथ ही रोजगार सृजन के उद्देष्य से भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय हल्द्वानी के तहत एमआई अभिकर्ता का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्श के दौरान संस्था द्वारा 525 ग्रामीणों को बीमा योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा बीमा कार्य में बतौर अभिकर्ता तीन लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया। कम आय वाले व गरीब लोग बड़ी बीमा पालिसी लेने में असमर्थ रहते हैं, विषेशकर ग्रामीण। बीमा सुविधा की इस खाई को पाटने के लिए भारत सरकार ने सभी बीमा कम्पनियों को गरीबों के लिए सूक्ष्म बीमा संचालित करने के निर्देष दिए गए हैं। इसी क्रम में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा सूक्ष्म बीमा का लाभ ग्रामीणों को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कम्पनी ने सूक्ष्म बीमा के माइक्रो बीमा सेगमेंट में ग्रामीणों के लिए तीन उत्पाद क्रमषः जीवन मंगल, भाग्य लक्ष्मी व जीवन बचत योजनाएं उतारीं गयी हैं। जिसमें न्यूनतम बीमा धन दस हजार व अधिकतम 50 हजार है। न्यूनतम त्रैमासिक किस्त एक सौ रुपए लगभग है। कोई गांव 75 फीसदी बीमांकित होने पर निगम उस गांव को बीमा ग्राम घोशित करता है और गांव में सार्वजनिक निर्माण के लिए 35 हजार रुपए का अनुदान भी देता है।

7–समुदाय आधारित संगठनों का विकास: सृश्टि द्वारा संदर्भित वित्तीय वर्श में विभिन्न परियोजनाओं के तहत 70 स्वयं सहायता समूहों, 9 ग्राम स्वच्छता समितियों व तीन स्वायत्त सहकारिताओं का गठन किया गया। सभी संगठनों के सदस्यों को उनकी जरूरत के अनुसार प्रबंधन, लेखा, व्यवसाय, अर्जित सम्पत्ति रखरखाव, निर्माण, ऋण प्रबंधन आदि का प्रषिक्षण दिया गया। इसी तरह आच्छादित वन पंचायतों की कार्यकारिणी सदस्यों को भी वन प्रबंधन, लेखा प्रबंधन आदि का प्रषिक्षण दिया गया।

8–एसआरआरसी: सृश्टि रूरल रिसोर्स सेंटर की स्थापना के पीछे अवधारणा यह है कि ग्राम स्तर तक लोगों को कृशि, षिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कृशि व्यवसाय आदि की सूचना नियमित मिले। संस्था द्वारा कुछ गावों में इस प्रकार की पहल की गयी है।

Lk`f"V ds dk;Zdze

9—कृशि उत्पाद विपणन में सहयोग एवं मार्ग दर्षन :

ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी, अजीविका एवं जीवन स्तर में सुधार के लिए जरूरी है कि स्थानीय लोगों की कृशि उपज को बाजार मिले। विषेशकर उत्तराखण्ड में स्थानीय उपज का विपणन काफी कठिन कार्य है। कृशकों को नगदी फसल का पता नहीं है। लोग बाजार व बाजार भाव से अनभिज्ञ हैं। सृश्टि द्वारा वित्तीय वर्श के दौरान कृशको को उनकी उपज के विपणन के लिए उचित व कारगर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देष्य से उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना के तहत 160 उत्पादक समूहों को सहकारिताओं से सम्बद्ध किया गया तथा उन्हें उत्पादन, संवर्धन, विपणन आदि का प्रषिक्षण दिया गया। सहकारिताओं को क्रय विक्रय में सहयोग किया गया। सृष्टि के मार्गदर्षन में सहकारिताओं द्वारा निम्नानुसार मुख्य कृशि उपज एवं सहायक उत्पादों का विपणन किया गया।

क0	उपज का नाम	मात्रा (कुन्तल)	मूल्य
1.	भंगजीरा	13.8	193060.00
2.	भांग बीज	10.66	74320.00
3.	लाल चावल	3.42	16525.00
4.	लाल धान	7.90	23700.00
5.	बुरांष जूस	250 ली0	25000.00

थ्नजनतम थ्वबने प्दजमतअमदजपवद

।.छंजनतंस त्मेवनतबम डंदंहमउमदजण
ठ.वउमद म्दजतमचतमदमनतीपच क्मअमसवचउमदजण
ब्.च्तवउवजपवद व ि ब्वउउनदपजल ठेंमक व्तहंदप्रंजपवदण
क्.जमत भ्लहपमदम ंदक ैंदपजंजपवदण
म्.डवकमस त्मेवनतबम ब्मदजतम क्मअमसवचउमदज;टपससंहम समअमसद्ध
थ्.त्तपउंतल भ्कनबंजपवद जव क्मचतपअमक बीपसकतमद ंदक
अवबंजपवदंस मकनबंजपवद जव ंकवसमेबमदज

भ्.भ्मंसजी जव ंसस ंदक पद जपउमण
प्.त्नतंस ंचचतवचतपंजम ीवितकंइसम जमबीदवसवहल जतंदेमितण
श्र.च्तवउवजपवद व िमबवसवहपबंस इंसंदबम चतंबजपबमेण
ज्ञ.त्मबवदेजतनबज तनतंस प्दतिंजतनबजनतमण
स्.च्तंजपबपचंजवतल ˘जमतीमक क्मअमसवचउमदजण
ड.थ्ववक `मबनतपजल ंदक `नेजंपदंइसम सपअमसपीववकण
छ.छमजूवतापदह ंदक ।ससपंदबम वित तपहीज ठेंमक
पदजमतअमदजपवद व िंचचतवचतपंजम चवसपबल तमवितउण

gekjs in fpUg

सृश्टि द्वारा सामाजिक गतिविधियों के संचालन के दौर में कुछ कार्यक्रम निष्चित रूप से हमारे पद चिन्ह साबित हुए हैं। संस्था द्वारा पूर्व में संचालित कुछ कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है।

Lakf{kIr izxfr vk[;k 2016&17

1–स्वैप ॅ।चः सृष्टि द्वारा वर्ष 2007–08 से 2012–13 तक स्वैप कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय व तृतीय चरण में जनपद बागेष्वर में जल संस्थान, जल निगम व स्वजल के साथ बतौर सहयोगी संस्था कार्य किया गया। प्रथम चरण में 68 ग्राम पंचायतें ओडीएफ करने के साथ ही 45 ग्रामों के लिए पेयजल योजनाएं तैयार की गयी। जिसमें 5500 हाउसहोल्ड लाभान्वित हुए। इसी तरह संस्था द्वारा 50 ग्राम पंचायतों व तृतीय चरण में 25 ग्राम पंचातों/तोकों में कार्य किया गया। संस्था की गतिविधियों में सर्वे, पीएफआर व डीपीआर का कार्य के साथ ही ग्राम स्तर पर पेयजल एवं स्वच्छता समितियों का गठन एवं प्रषिक्षण भी था।

2–एचटीएम भ्वतजपबनसजनतम ज्मबीदवसवहल डपेपवद : संस्था द्वारा उद्यान निदेषालय उत्तराखण्ड चौबटिया द्वारा संचालित एचटीएम के तहत औद्यानिकी (सब्जी उत्पादन)से महिला सःषक्तिकरण कार्यक्रम में उधम सिंह नगर जनपद के 11 विकास खण्डों में 100 महिलाओं को औद्यानिकी प्रषिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का लक्ष्य सब्जी उत्पादन से महिलाओं की आय में वृद्धि करना था। कार्यक्रम के दौरान संस्था स्तर पर 10 महिला सब्जी उत्पादक समूहों का भी गठन किया गया।

3–एनईएसी छंजपवदंस म्दअपतवदउमदज ूतमदमे ब्ंउचंपहद : संस्था वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान में वर्ष 2004–05 से निरंतर प्रतिभाग करते आ रही है। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जैव विधिता संरक्षण, जल प्रबंधन, क्लाइमेट चेंज को रोकना, बीज संग्रहण, ज्ञान रजिस्टर, भूमि सुधार, वृक्षारोपण, वन्य जन्तु संरक्षण व वनों के ह्रास को रोकने के लिए मार्गदर्षन व प्रषिक्षण देना था। कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्र, कृशक, अध्यापक, समाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय संगठन, जनप्रतिनिधि, महिला संगठन आदि रहे है। कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष जनपद उधम सिंह नगर के षांतिपुरी व नैनीताल जनपद के बिन्दुखत्ता लालकुवां क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम अपने उद्ष्यों की पूर्ति में सफल सिद्ध हुआ है।

4– सृजक सम्मानः सृष्टि ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित व प्रोत्साहित करने के उद्देष्य से सृजक सम्मान की षुआत की गयी है। अब तक संस्था, साहित्य, पत्रकारिता, समाज सेवा, मूर्ति कला, लोक संगीत, षिक्षा आदि क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले दर्जनों लोगों को सम्मानित कर चुकी है। लोगों को समारोह में सम्मान स्वरूप प्रषस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किया जाता है। अपेक्षा की जाती है कि वे भविश्य में भी जन सेवा में जुटे रहेंगे।

समाज कार्य के क्रम में सृष्टि द्वारा वर्ष 2016–2017 में नैनीताल, उधम सिंह नगर व बागेष्वर

lEekfur O;fDrRo
1&Jh mn; fdjkSykA
2&Jh izgykn esgjkA
3&Jh vo/ks'k JhokLroA

Lakf{klr izxfr vk[;k 2017&18

जनपदों में निम्न गतिविधियों व कार्यक्रमों आयोजन, प्रायोजन व संचालन किया गया। जिसमें से बागेष्वर जनपद में उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना मुख्य है। यह परियोजना 2015 में आरम्भ हुई थी। परियोजना का द्वितीय चरण वित्तीय वर्श 2016–17 में प्रारम्भ हुआ। द्वितीय चरण में बागेष्वर व धरमघर रैंज की 32 वन पंचायतें परियोजना में षामिल की गयीं।

इसी तरह संस्था द्वारा भवाली में महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रषिक्षण षिविर आयोजित किया गया। जिसें 30 महिलाओं को सिलाई– कटाई व 30 महिलाओं को ब्यूटीषियन का प्रषिक्षण दिया गया। सृश्टि द्वारा षांतिपुरी युवाओं के लिए मार्गदर्षन कार्यषाला का आयोजन किया गया। जिसमें 40 युवाओं ने पगतिभाग किया। उत्तराखण्ड की लोक कला को जीवित रखने व इसके व्यावसायिक उपयोग के उदेष्य से भवाली में प्रषिक्षण षिविर का आयोजन किया गया। 15 दिवसीय षिविर में 15 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। सृश्टि द्वारा सूर्यनगर में गौला रेंज के जंगलों से लगे क्षेत्रों में जैव विविधता संरक्षणअभियान चलाया गया। जिसके तहत लोगों को वैज्ञानिक विदोहन के तरीकों के साथ ही जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्धन के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में पषुपालकों, छात्रों, विभिन्न संगठनों व वन कर्मियों ने प्रतिभाग किया। वित्तीय वर्ष के दौरान निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1. उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना वित्त पोशित जायका।
2. महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रषिक्षण षिविर।
3. लोक चित्रकला (ऐपण) प्रषिक्षण।

4. पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण जागरूकता अभियान।
5. छात्र–छात्राओं के लिए सामान्यज्ञान प्रतियोगिता।
6. 50 आजीविका एवं आय संवर्धन एसएचजी गठन।
7. स्वास्थ्य कैम्प आयोजन।
8. युवाओं के लिए कार्यषालाओं का आयोजन।
9. वृहद वृक्षारोपण एवं वानिकी संवर्धन।
10. राश्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में प्रतिभाग।
11. जल स्रोतों का संरक्षण।
12. छात्रों के लिए लेखन कार्यषाला।
13. पेलियों उन्मूलन कार्यक्रम में प्रतिभाग।
14. निःषुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण।

वर्श के दौरान कार्यक्रमों के आयोजन, संचालन में पीएमयू यू एफ आर एम पी, स्थानीय लोगों व दानदाताओं का सहयोग मिला।

सृश्टि द्वारा वर्श 2017–2018 में बागेष्वर, नैनीताल व उधम सिंह नगर जनपदों के विभिन्न विकास खण्डों में स्थित गांवों

Governance and Team

में निम्न गतिविधियों व कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन व संचालन किया गया। जिसमें से मुख्य परियोजना बागेष्वर जनपद में उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना है। यह परियोजना 2015 में आरम्भ हुई थी। परियोजना का तृतीय व चतुर्थ चरण वित्तीय वर्श 2017–18 में प्रारम्भ हुआ। दोनों चरणों में बागेष्वर व धरमघर रेंज की 35 वन पंचायतें परियोजना में षामिल की गयीं।

इसी तरह संस्था द्वारा भवाली में महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोश के सहयोग से ऐपण कला प्रशिक्षण षिविर आयोजित किया गया। जिसें 30 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

सृश्टि द्वारा षक्तिफार्म में युवाओं के लिए मार्गदर्षन कार्यषाला का आयोजन किया गया। जिसमें 45 युवाओं ने प्रतिभाग किया।

संस्था द्वारा षक्तिफार्म में ही महिलाओं के लिए औद्यानिकी से आय अर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 20 महिलाओं को प्रषिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। वित्तीय वर्श के दौरान निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1. उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना वित्त पोशित जायका।
2. महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रषिक्षण षिविर।

3. लोक चित्रकला (ऐपण) प्रषिक्षण।
4. पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण जागरूकता अभियान।
5. छात्र–छात्राओं के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
6. 70 आजीविका एवं आय संवर्धन एसएचजी गठन।
7. स्वास्थ्य कैम्प आयोजन।
8. युवाओं के लिए कार्यषालाओं का आयोजन।
9. वृहद वृक्षारोपण एवं वानिकी संवर्धन।
10. राश्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में प्रतिभाग।
11. जल स्रोतों का संरक्षण।
12. छात्रों के लिए लेखन कार्यषाला।
13. छात्रों के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता।
14. निःषुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण।

वर्श के दौरान कार्यक्रमों के आयोजन, संचालन में पीएमयू यू एफ आर एम पी, स्थानीय लोगों व दानदाताओं का अच्छा सहयोग मिला।

The Board

The Team

S.N.	Name	Address	Edu. Qu.	Business	Designation
1	Mr. Jiwan S. Danu Iresh S/O Mr. B.S. Danu	Santipuri US Nagar UK	MA	journalist	Chairman/ED
2	Mr. Jaman Singh Danu S/O Mr. T. S. Danu	Bageshwar Uttarakhand	B.A.	contractor	Vice Chairman
3	Mr. P S Koshyari S/O Mr. K S Koshyari	Bindukhatta Lalkuan NTL UK	BA	Consultant	Secretary
4	Mr. Virendra Singh S/O Mr. Khim Singh	Shantipuri US Nagar UK	B.A.	Social worker	Cashier
5	Smt. Deepa W/O Mr. J. Singh	Shantipuri US Nagar UK	MA B ED	Govt. Service	Member
6	Mr. Aalam Singh S/O Mr. P Singh	Damgara KTM US Nagar UK	BA B ED	Educationalist	Member
7	Cap. Devendra Singh S/O Mr. DaleepSingh	Shantipuri US Nagar UK	BA	Ex. Army Man	Member
8	Mr. Hemant Tiwari S/O Mr. GB Tiwari	Jawahar Nagar Nagala USN UK	M. COM	Business	Member
9	Smt Kamla Raikhola D/O Mr. Bahadur Singh	Namtichetabagar Kapkote UK	MSW	Social Work	Member

Organizational Structure

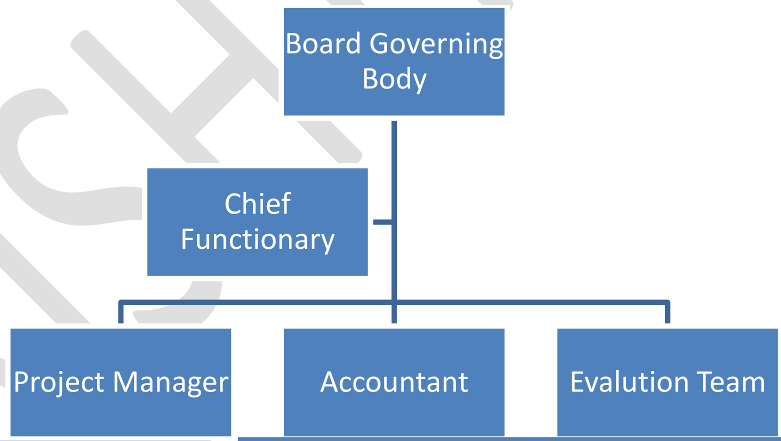

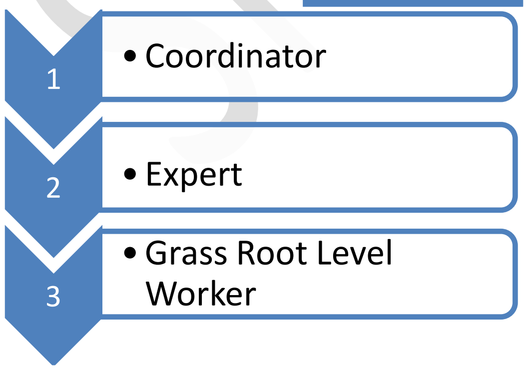

Mr Jiwan S. Danu Iresh : Executive Director/ Chief Functionary: Mr. Danu Completed M.A Political Science 1989, diploma in PM & IR in Sampadan kala visarad, Certificate in Rural botanist, Certificate in labor law. Following which he worked with the Primer NBFC of North India as a Regional Manager in a various Places and was also a Sub Editor in a daily Hindi News Paper. Mr. Danu is working among community as a Social Worker & Trainer since last two decade. Presently he is working as a Chief Functionary/ Executive Director in Srishti. e-Mail: jiwansdanuiresh @ Gmail.com, mob. No. 9758079227

Team Detail(Full Time)

S.N.	Name	Present Position	Educational Qualification	Social Work Experience in year
1.	Mr. Gopal Singh Bisht	PM/MS	M.A. Economics Sociology, MSW PG dip Human Right PG dip Mass Com.	17 year in Various level
2.	Mr. Arjun Singh Danu	Coordinator	M.A. Education	
3.	Mr. H.C. S. Panda	Coordinator	M.A. Political Science M.A. Sociology	12 year in various level
4.	Mrs Kiran Joshi	Coordinator	M.A. Sociology	06 year
5.	Mrs Santoshi Nagarkoti	Coordinator	M.A. Hindi MSW	12 year in Various level
6.	Mrs Lalita Joshi	Coordinator	M.A. Sociology	17 year in various level
7.	Mr. Ganesh Singh	Coordinator	B.A. B.P. Ed.	07 year
8.	Mrs Prema Bachkheti	Coordinator	M.A. Economics	07 year
9.	Mr. Rajendra Kumar	Coordinator	M.A. Sociology	07 year
10.	Mr. D.B. Singh	Accontant	M.Com	07 year
11.	Miss Hansi	DEO	B.A. Dip. Computer	05 year
12.	Mr. Sunil Kumar	Coordinator	M.A. Hindi	7 year
13.	Mr. Satish Kumar	Coordinator	M.A. Hindi	07 year
14.	Ku. Astha	Coordinator	M.B.A.	05 year
15.	Mr. Balwant Putaliya	Coordinator	M.A. Sociology	07 year
16.	Mr.Narendra Kanera	Coordinator	M.A. Sociology	07 year
17.	Mr. Kailash Kumar	Coordinator	M.A. Sociology	09 Year

Expert Staff (part Time)

S.N.	Name	Educational qualification	Expertise	Exp.
1.	Mr. Anirudh	PG Rural Development	Rural Development	12 year
2.	Dr. Megha Bora	Ph.D. Forestory	Environment Expert	06 year
3.	Mr. Devbrath Danu	Dip.Eng. Civil, Tech Comp. Science	Construction Work	02 year
4.	Mrs deepa	M.A. B.Ed.	Child Education	15 year
5.	Mrs Khasti Bisht	M.A. Sociology	Woman Empowerment	15 year
6.	Mr. Bharat	B.A. Certificate Disaster Mgt.	Disaster Management	10 year
7.	Miss Neerja Bisht	BPT/ MSW	Diability Care	06 year
8.	Dr. Shikha	Ph. D. Agriculture	Farming	10 year

Financial Detail 2018-19

SRISHTI JAN KALYAN SAMITI
As On 31 March 2019

Reciept	Rs.	Payment	Rs.
Cash in Hand	25385	Stationary	45050
cash in Bank		Communication	58900
AUCB	12450	TA/DA	842918
PNB	2114	Bank Charge	908
USNDCB	10624	Salary	2675700
Bank Intt.	8652	Office Rent	107453
Other Receiving	36424	Furniture	3724
Membership	21600	Office Mantinance	9830
Donation	83000	Computer Purchasing	29700
Grant UFRMP	3912636	Exp. SLWM:-	
Grant SLWM	175200	Salary	116090
		auditor Fee	4000
		TA/DA	18000
		Meeting Exp.	30565
		Stationary	9675
		Balance	
		in Hand	0
		in Bank	335572
	4288085		**4288085**

Date 25.04.19

Cashier   Accountant   Chairman

Verified By Board Member   Signature

1-	Jiwan S. Danu	Chairman	
2-	P.S. Koshyari	Chief Secretory	
3-	Jaman Singh	Vice Chairman	
4-	Virendra Koranga	Cashier	
5-	Kamla Raikhola	Member	
6-	Cap. Devendra Koranga	Member	
7-	Deepa Danu	Member	
8-	Hemant Tiwari	Member	
9-	Alam Singh	Member	

Voluntary Disclosures

Governance: None of the Governing board members are related to each other or related to any of the senior salaried staff by blood or by marriage. None of the Governing Board members have received any salary, consultancy or other remunerations from Srishti. Travel costs, as per actual tickets submitted that were budgeted into projects, were however reimbursed. The Governing Board has met on the following dates In 2018- 2019 23 April. 2018, 26 July 2018, 21 Sep. 2018, 26 Dec. 2018 and 30 April 2019.

Travel: No international travel was incurred. Travel was incurred only as budgeted in project heads No travel costs were incurred for any other reason.

A- **Our Statutory Auditor:** Kapkoti & Associates
Chartered Accountant Bageshwar

B- Our Legal Advisor
Advocate Prakash Chandola

C- Our Bank: Almora Urban Cooperative Bank Ltd
Bageshwar, Uttarakhand
a/c No. 003100100015916

D- Society Registration Details
Registered Under Society Registration Act 1860
Registration No- 552/2001-2002
Renewal No. 52/2017-2018

E- Society PAN No. AAJAS1703N

F- Our Media partner GAIRSAIN POST

F- Registered, Admn. & Project Offices

1- Registered Office.
Srishti Jan Kalyan Samiti
Lalkuan, Nainital, uttarakhand

2- Admn. Office.
Srishti Jan Kalyan Samiti
Shantipuri, Kichha,
US Nagar, Uttarakhand

3- Project and Corresspondance Office
Srishti Jan Kalyan Samiti
Third Floor, Choudhari Bhawan
Bankhola-Jeet Nagar, Mandalsera
Bageshwar, Uttarakhand PIN 263642

Web:www.srishtingo.org, email:sjksukngo@rediffmail.com. contact-9758079227

Thanks

SRISHTINGO